

Padma Shri



SMT. LOUREMBAM BINO DEVI

Smt. Lourembam Bino Devi is the oldest Expert in the traditional method of Applique Art called "Leeba" in Manipur and has been rendering women service in revival of such cultural asset for the last 53 years.

2. Born on 1st March, 1944, Smt. L. Bino Devi got married at the age of 17 years to Late Shri Kunjahihari Singh of Keishamthong. Since then, she is working till now on this craft. She received formal training of this Art from her mother-in-law, Smt. L. Ibetombi Devi, who was the first recipient of National Award in Handicraft.

3 Smt. L. Bino Devi has imparted trainings in Applique art at Manipur State Museum in collaboration with Indira Gandhi Centre for the Arts, New Delhi (in 1995) at Department of Art & Culture, Govt. of Manipur (2004), Manipur State Film Corporation and to women jail inmates organized by Manipur State Commission (2016) continuously under the full support of Dr. K. Sobita Devi, the then Chairperson of Manipur State Commission for Women. She also organized workshop on Arts & Crafts under the Guru Shishva Parampara Scheme and 3 more such training programmes at Heritage Foundation of Mankind under the sponsorship of the Directorate of Handloom & Textiles (2017) National Museum of Mankind, Bhopal (2019); Manipur Handlooms & Handicraft Development Corporation Ltd. Manipur (2022). Her contribution in uplifting women folk of Manipur has well proved when 3 of her students won State Awards in this trade.

4. Smt. L. Bino Devi is recipient of many prestigious Awards like State Award for Master Craftsmen; Silpa Bhusan from Manipur State Kala Academy; Women Achiever's Award etc.

पद्म श्री



श्रीमती लॉरेम्बम बीनो देवी

श्रीमती लॉरेम्बम बीनो देवी मणिपुर में "लीबा" नामक एप्लिक कला की पारंपरिक पद्धति की सबसे पुरानी विशेषज्ञ हैं और पिछले 53 वर्ष से इस प्रकार की सांस्कृतिक निधि के पुनरुद्धार में महिलाओं को सेवा प्रदान कर रही हैं।

2. 1 मार्च, 1944 को जन्मी, श्रीमती एल. बीनो देवी का विवाह 17 वर्ष की आयु में कीशमथोंग के स्वर्गीय श्री कुंजाहिहारी सिंह से हुआ। तब से वह अब तक इसी शिल्प पर काम कर रही हैं। उन्होंने हस्तशिल्प में राष्ट्रीय पुरस्कार की प्रथम प्राप्तकर्ता अपनी सास श्रीमती एल. इबेटोम्बी देवी से इस कला का औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

3 श्रीमती एल. बीनो देवी ने एप्लिक कला में, इंदिरा गांधी कला केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से मणिपुर राज्य संग्रहालय (1995); कला और संस्कृति विभाग, मणिपुर सरकार (2004), मणिपुर राज्य फिल्म निगम में तथा मणिपुर राज्य महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. के. सोबिता देवी के पूर्ण सहयोग से मणिपुर राज्य आयोग (2016) के जरिए महिला कैंदियों को लगातार प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने गुरु शिष्य परम्परा योजना के तहत कला और शिल्प पर कार्यशाला का आयोजन भी किया तथा हथकरघा और वस्त्र निदेशालय के प्रायोजन से हेरिटेज फाउंडेशन ऑफ मैनेकाइंड (2017); नेशनल म्यूजियम ऑफ मैनेकाइंड, भोपाल (2019), मणिपुर हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड मणिपुर (2022) मणिपुर में भी ऐसे तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। उनके 3 छात्रों ने इस कला में राज्य पुरस्कार जीता है जिससे मणिपुर की महिलाओं के उत्थान में उनका योगदान बेहतर ढंग से साबित हुआ है।

4. श्रीमती एल. बीनो देवी ने कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जैसे राज्यशिल्प गुरुपुरस्कार; मणिपुर राज्य कला अकादमी का शिल्पभूषण; महिला अचीवर्स अवार्ड आदि प्राप्त किए हैं।